B.A. 3rd Semester (Honours) Examination, 2018 (CBCS)

Subject : Sanskrit

Paper : CC-VII

Time: 3 Hours **Full Marks: 60**

The figures in the margin indicate full marks.

Candidates are required to give their answer in their own words as far as practicable.

1. 'क'-विभागात् *प्रश्नषट्कं* ख-विभागाच्च *प्रश्नचतुष्टयमाश्रित्य दशप्रश्नानामुत्तरं सुरगिरा देवनागर्य्या* च समाधीयताम्। 2×10=20

'क'-विभाग থেকে *ছয়টি* এবং 'খ'-বিভাগ থেকে *চারটি* প্রশ্ন নিয়ে মোট *দশটি* প্রশ্নের উত্তর *সংস্কৃত ভাষায়* এবং *দেবনাগরী লিপিতে* লেখো।

'क'-विभाग:

'ক'-বিভাগ

(a) मनुसंहिताया: कस्याश्चन एकस्या: टीकाया: नाम लिख्यताम्। को वा अस्य प्रणेता?
মনুসংহিতার যে কোনো একটি টীকার নাম লেখো। এই টীকাটির প্রণেতা কে?

(b) भवतां पाठ्यांशरूपेण निर्दिष्टाया: मनुसंहिताया: प्रवक्ता क:? संहितायाम् अस्यां कति अध्याया: सन्ति?
তোমাদের পাঠ্যাংশরূপে নির্দিষ্ট মনুসংহিতার প্রবক্তা কে? এই সংহিতায় কয়টি অধ্যায় রয়েছে?

(c) राजदण्डयो: पौर्वापर्यं निरूप्यताम्।
রাজা এবং দণ্ডের পৌর্বাপর্য্য নিরূপণ করো।

(d) 'ब्राह्मं प्राप्तेन संस्कारं'– इत्यत्र ब्राह्मसंस्कारत्वेन कीदृश: संस्कार: उपदिष्ट:? कथं वा राज्ञ: कृते एतादृश: संस्कार आवश्यको भवति?
'ব্রাহ্মং প্রাপ্তেন সংস্কারং'– এখানে ব্রাহ্মসংস্কাররূপে কেমন সংস্কার উপদিষ্ট হয়েছে? রাজার জন্য এরূপ সংস্কারের আবশ্যকতা কী?

(e) कस्य एव विनाशाय राजा आशु मन: प्रकुरुते?
কার বিনাশের জন্য রাজা শীঘ্র মনোনিবেশ করবেন?

(f) 'तं धर्मं न विचालयेत्'- इत्यत्र कीदृशं धर्मं न विचालयितव्यमिति उपदिष्टम्?
'তং ধর্মং ন বিচালয়েত্'- এখানে কীরূপ ধর্ম লঙ্ঘন না করার উপদেশ দেওয়া হয়েছে?

(g) 'यथोद्धरति निर्दाता'-इति श्लोकपादे उल्लिखित: निर्दाता क:? निर्दातृदृष्टान्तेनात्र राज्ञ: किदृशी वृत्ति: अवसिता?
'যথোদ্ধরতি নির্দাতা'- এই শ্লোকপাদে উল্লিখিত নির্দাতা কে? নির্দাতার দৃষ্টান্তের মাধ্যমে রাজার কীরূপ বৃত্তি এখানে প্রতিপাদিত হয়েছে?

(h) मनुमतानुसारं सन्धिः कतिविधो भवति? समानयानकर्मणः लक्षणं प्रतिपाद्यताम्।
মনুমতের অনুসরণে সন্ধি কয় প্রকার? সমানযানকর্মা-এর লক্ষণ প্রতিপাদন করো।

(i) किं नाम भवति आत्ययिकं कार्यम्?
আত্যয়িক কার্য কী?

'ख'-विभागः

'খ'-বিভাগ

(a) अर्थशास्त्रे अर्थशब्दस्य कोऽर्थः?
অর্থশাস্ত্রে অর্থ-শব্দের অর্থ কী?

(b) अर्थशास्त्रानुसारं तुष्यातुष्ययोः लक्षणं प्रतिपाद्यताम्।
অর্থশাস্ত্রের অনুসরণে তুষ্ট এবং অতুষ্টের লক্ষণ প্রতিপাদন করো।

(c) अन्तेवासी कः? कथं वा सः 'अन्तेवासी'-इति नाम्ना अभिहितः?
'अन्तेवासी'- কে? কেনই বা তিনি 'अन्तेवासी'-এই নামে অভিহিত?

(d) कृत्याकृत्यपक्षे दूतेन किं करणीयम्?
কৃত্য এবং অকৃত্যপক্ষে দূতের করণীয় কী?

(e) 'किमङ्गः पुनर्ब्राह्मणाः'- इति पदस्य तात्पर्यं किम्?
'किमङ्गः पुनर्ब्राह्मणाः'- এই পদের তাত্পর্য কী?

(f) पराधिष्ठितस्य दूतस्य एकशयनस्य कारणं किम्?
শত্রুরাজ্যে অধিষ্ঠিত দূতের একাকী শয়নের কারণ কী?

2. अधःस्थितेषु प्रश्नेषु यथाकामं *चतुष्टयं* समाधीयताम्। तेषु च यत्किञ्चन *द्वितयं* सुरगिरा लिख्यताम्। 5×4=20

নীচের প্রশ্নগুলির থেকে যে কোনো *চারটি* প্রশ্নের উত্তর দাও। তার মধ্যে *দুটি* প্রশ্নের উত্তর সংস্কৃত ভাষায় লেখো।

(a) सरलसुरगिरा व्याख्यायताम्। 5
সরল সংস্কৃত ভাষায় ব্যাখ্যা করো।
वकवच्चिन्तयेदर्थान् सिंहवच्च पराक्रमेत्।
वृकवच्चावलुम्पेत शशवच्च विनिष्पतेत्।।

Or,

तस्य सर्वाणि भूतानि स्थावराणि चराणि च।
भयाद्भोगाय कल्पन्ते स्वधर्मान्न चलन्ति च।।

(b) संक्षिप्ता टीका कार्या। 2½×2=5
সংক্ষিপ্ত টীকা লেখো।
भेदः, संश्रयम्।

(c) मातृभाषायामनुवद। 5
মাতৃভাষায় অনুবাদ করো।
यदि ते तु न तिष्ठेयुरुपायैर्प्रथमैस्त्रिभिः।
दण्डेनैव प्रसह्यैतांश्छनकैर्वशमानयेत्।।

(d) मातृभाषायामनुवद। 5

मातृभाषाय अनुवाद करो।

संसिद्धं मे भर्तुर्यात्राकालमभिहन्तुकामः, शस्यकुप्यपण्यसंग्रहं दुर्गकर्मबलसमुत्थानं वा कर्तुकामः, स्वसैन्यानां व्यायामदेशकालावाकाङ्क्षमाणः परिभवप्रमादाभ्यां वा संसर्गानुबन्धार्थी वा मामुपरुणद्धीति ज्ञात्वा वसेदपसरेद्वा। प्रयोजनमिष्टमवेक्षेत वा।

(e) उपायचतुष्टयं किम्? राष्ट्राभिबृद्धये कथं वा एतेषां प्रयोगः करणीयः राज्ञा? 1+4=5

उपायचतुष्टय़ की? राष्ट्रेर उन्नतिर जन्य केन राजा एই উপায় চারটির প্রয়োগ করবেন?

(f) संक्षिप्ता टीका कार्या। 2½×2=5

संक्षिप्त टीका लेखो।

उपजापः, पार्ष्णिग्राहासारः

3. अधोनिर्दिष्टात् विभागद्वयात् *एकैकमेव* प्रश्नमाकल्य *प्रश्नद्वयस्य* उत्तरं प्रदेयम्। 10×2=20

অধোনির্দিষ্ট *দুটি* বিভাগ হতে *একটি* করে প্রশ্ন নিয়ে মোট *দুটি* প্রশ্নের উত্তর দাও।

'क'-विभागः

'ক'–বিভাগ

(a) 'महती देवता ह्येषा नररूपेण तिष्ठति' -

इत्यस्मिन् श्लोकपादे 'महती देवता' - इति पदेन कः उद्दिष्टः? कथं वा स 'महती देवता' - इत्यभिधयाभिहितः इति तस्य ऐश्वरिकोत्पत्तिवादमभिलक्ष्य मनुमतानुसारं वैशद्येन स्पष्टीक्रियताम्। 2+8=10

'महती देवता ह्येषा नररूपेण तिष्ठति' -এই শ্লোকপাদে 'महती देवता' -এই পদে কে উদ্দিষ্ট হয়েছে? কেনই বা তিনি 'महती देवता'-এই আখ্যায় অভিহিত হয়েছেন মনুমতানুসারে তার ঈশ্বরিক উত্পত্তিবাদের আলোকে তা বিশদে স্পষ্ট করো।

(b) 'षाड्गुण्यं' किम्? कदा कथं वा राजा एतेषां प्रयोगः कुर्यात्तत् मनुमतानुसारमालोच्यताम्। 2+8=10

'षाड্গুণ্য' কী? রাজা কখন এবং কেন এই গুণগুলির প্রয়োগ করবেন তা মনুমতের অনুসরণে আলোচনা করো।

'ख'-विभागः

'খ'–বিভাগ

(a) 'स्वदूतैः कारयेदेतत्' - राजा स्वदूतै कीदृशं कार्यं कारयेत्तद् अर्थशास्त्रानुसारं वैशद्येन आलोच्यताम्। 'आटविकं' किम्? 2+8=10

'स्वदूतैः कारयेदेतत्' -রাজা নিজ দূতের দ্বারা কীরূপ কার্য করাবেন তা অর্থশাস্ত্রের অনুসরণে বিশদে আলোচনা করো। 'आटविक' কী?

(b) (i) का भवति अमात्यसम्पत्? अमात्यसम्पदनुसारं कौटिल्येन दूतस्य ये खलु विभागाः स्वीकृताः सलक्षणं तेषामालोचनं कुरु।

'अमात्यसम्पत्' - কী? 'अमात्यसम्पत्' অনুসারে কৌটিল্য দূতের যে বিভাগ স্বীকার করেছেন সলক্ষণ তাদের আলোচনা করো।

(ii) 'परस्यैतद्वाक्यमेषः दूतधर्मः' - अर्थशास्त्रानुसारं वाक्यांशोऽयमालोच्यताम्। (2+3)+5=10

'परस्यैतद्वाक्यमेषः दूतधर्मः' - অর্থশাস্ত্রের অনুসরণে বাক্যাংশটি আলোচনা করো।